खास-खबरें

दि ऑक्सफोर्ड हा.से. की छात्रा ने अंतर्राष्ट्रीय कराटे स्पर्धा में जीता रजत पदक

नईदुनिया, प्रतिनिधि, सीहोरः स्थानीय दि ऑक्सफोर्ड हायर सेकेंडरी स्कूल, सीहोर की कक्षा 12वीं की छात्रा आरोही पराशर ने नेपाल के काठमांडू में आयोजित 17वीं एनएसके, अंतरराष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए काता/कुमिते टीम काता/कुमिते स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक अर्जित किया। इस उपलब्धि से उन्होंने विद्यालय, सीहोर, जिला तथा मध्यप्रदेश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। इस उल्लेखनीय सफलता कराटे प्रशिक्षक लखन ठाकुर का विशेष योगदान रहा। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. बीना जे. कुरियन ने कहा कि छात्रा की यह सफलता उसकी कठिन मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी वह राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करेगी। इस उपलब्धि पर संस्था अध्यक्ष एड. जॉली कुरियन, प्राचार्या डॉ. बीना जे. कुरियन, जिला शिक्षा अधिकारी शीलू शर्मा, जिला खेल अधिकारी अत्ताउल्लाह खान, शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान, सीहोर के प्राचार्य आलोक शर्मा, स्पोर्ट्स शिक्षक सुमित शर्मा सहित विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने हार्दिक बधाई दी।

छात्र दिव्यांश अहीरवार ने भारतीय वन सेवा परीक्षा में पाई एआईआर 127

नईदुनिया, प्रतिनिधि, सीहोरः स्थानीय दी ऑक्सफोर्ड हायर सेकेंडरी स्कूल, सीहोर के वर्ष 2020 बैच के छात्र दिव्यांश अहीरवार ने संघ लोक सेवा आयोग की भारतीय वन सेवा परीक्षा 2025 में अखिल भारतीय रैंक 127 प्राप्त कर विद्यालय, जिले एवं प्रदेश का गौरव बढ़ाया। देवेंद्र अहिरवार के पुत्र दिव्यांश ने नर्सरी से कक्षा 12वीं तक अपनी संपूर्ण स्कूली शिक्षा ऑक्सफोर्ड हायर सेकेंडरी स्कूल, सीहोर से प्राप्त की। वे विद्यालय के 'मिस्टर ऑक्सफोर्ड भी रह चुके हैं। विदाई समारोह में उन्होंने विद्यालय के ध्येय वाक्य ज्ञान ही प्रकाश है को जीवनभर अपनाने का संकल्प लिया था, जिसे उन्होंने अपनी इस उल्लेखनीय सफलता से साकार कर दिखाया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर संस्था अध्यक्ष एड. जॉली कुरियन, प्राचार्या डॉ. बीना जे. कुरियन, विद्यालय प्रबंधन, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने दिव्यांश अहीरवार तथा उनके परिवार को शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की।

जबलपुर में शुरू हुई रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधा

नईदुनिया, प्रतिनिधि, जबलपुरः शैल्बी मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में अत्याधुनिक फुली ऑटोमैटिक रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सिस्टम की शुरुआत की है। इस तकनीक के माध्यम से अब घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी अधिक सटीक, सुरक्षित और बेहतर परिणामों के साथ की जा सकेगी। इससे महाकौशल क्षेत्र के मरीजों को उपचार के लिए महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

प्रेस वार्ता में जॉइंट रिप्लेसमेंट एवं रोबोटिक सर्जन डॉ. विकास सावला ने तकनीक का लाइव प्रदर्शन करते हुए बताया कि रोबोटिक प्रणाली से सर्जरी अधिक सटीक होती है, दर्द कम होता है और मरीज अपेक्षाकृत जल्दी सामान्य जीवन में लौट पाते हैं। उन्होंने कहा कि अनुभवी चिकित्सकों और आधुनिक तकनीक के समन्वय से मरीजों को विश्वस्तरीय उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम में डॉ. विश्वनाथ प्रताप सिंह, डॉ. अमन अग्रहरि, डॉ. कुशल सुराना, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव तथा उप मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अंकित जैन उपस्थित रहे। इस अवसर पर सफल रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी करा चुके राजस्थान के भीलवाड़ा निवासी 70 वर्षीय राजेंद्र वर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि ऑपरेशन के बाद उन्हें पहले की तुलना में काफी राहत मिली है और वे अब सहजता से चल-फिर पा रहे हैं।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान में मियावाकी पद्धति से लगाए गए 3000 पौधे

नईदुनिया प्रतिनिधि, पीथमपुरः पर्यावरण संरक्षण और शहर को अधिक हरित बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद पीथमपुर ने सोमवार को वार्ड क्रमांक-5 स्थित हाउसिंग बोर्ड मुक्ति धाम परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत मियावाकी पद्धति से 3,000 पौधों का वृक्षारोपण किया।

नगर पालिका के अनुसार मियावाकी पद्धति से विकसित किया जा रहा यह हरित क्षेत्र पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और शहर के हरित आवरण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। साथ ही प्रत्येक पौधे की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए गए हैं, ताकि पौधे सुरक्षित रूप से विकसित होकर भविष्य में सघन हरित क्षेत्र का स्वरूप ले सकें। वृक्षारोपण कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सेवंती सुरेश पटेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी आरती गरवाल, अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश पटेल, पार्षद अशोक पटेल, महेश पटेल, राजेश चौधरी, रूप सिंह छड्डोदी, महेश पथरिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, वन विभाग के अधिकारी, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

ग्वालियर रियासतकालीन 350 वर्ष पुराने अभिलेख से मंदिर प्रबंधन की ऐतिहासिक व्यवस्था आई सामने

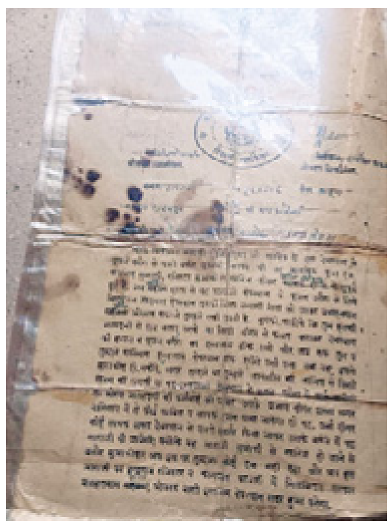

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशाः भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में चढ़ावे के प्रबंधन को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच ग्वालियर रियासतकालीन एक दुर्लभ ऐतिहासिक अभिलेख सामने आया है। करीब 350 वर्ष पुराना माना जा रहा यह दस्तावेज तत्कालीन शासन द्वारा मंदिरों और देवस्थानों के प्रशासनिक प्रबंधन की व्यवस्थित व्यवस्था का महत्वपूर्ण प्रमाण माना जा रहा है।

अभिलेख पर ग्वालियर राज्य की आधिकारिक मुहर अंकित है। इसमें किसी देवस्थान की भूमि, अभिलेख, रजिस्टर तथा प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। दस्तावेज से स्पष्ट होता है कि मंदिरों और उनसे जुड़ी संपत्तियों के संचालन पर शासन की नियमित निगरानी रहती थी। संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के कार्यों की समीक्षा के बाद आवश्यक होने पर प्रबंधन में परिवर्तन कर नए प्रबंधक की नियुक्ति के निर्देश भी दिए जाते थे।

इतिहासकारों के अनुसार ग्वालियर रियासत के समय धार्मिक संस्थाओं के संचालन के लिए अलग प्रशासनिक व्यवस्था लागू थी। देवस्थानों की आय, भूमि और धार्मिक गतिविधियों का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखा जाता था तथा समय-समय पर शासन द्वारा आदेश जारी कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाती थी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह अभिलेख उसी परंपरा का महत्वपूर्ण साक्ष्य है।

दस्तावेज में तत्कालीन प्रशासनिक शब्दावली भी देखने को मिलती है। इसमें देवस्थान, आराजी, इंतजाम, रजिस्टर और सरकार जैसे शब्द उस दौर की कार्यप्रणाली को दर्शाते हैं। इतिहासकारों का कहना है कि यह केवल धार्मिक प्रबंधन का रिकॉर्ड नहीं, बल्कि तत्कालीन राजस्व व्यवस्था, प्रशासनिक प्रणाली और अभिलेखीय संस्कृति को समझने का भी महत्वपूर्ण स्रोत है।

इतिहास एवं पुरातत्व के जानकारों का मानना है कि ऐसे दुर्लभ दस्तावेजों का वैज्ञानिक संरक्षण, डिजिटलीकरण और गहन अध्ययन किया जाना चाहिए। इससे ग्वालियर रियासत के प्रशासन, सामाजिक व्यवस्था तथा धार्मिक संस्थाओं के संचालन से जुड़े कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं।

विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि ऐसे प्राचीन अभिलेखों को सुरक्षित रखने, उनकी उच्च गुणवत्ता वाली प्रतियां तैयार करने तथा अभिलेखागारों में संरक्षित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं, ताकि भविष्य की पीढ़ियां अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से परिचित हो सकें। यह अभिलेख ग्वालियर रियासत की प्रशासनिक दक्षता के साथ-साथ धार्मिक संस्थाओं के सुव्यवस्थित संचालन का भी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज माना जा रहा है।

मूंग खरीदी को लेकर किसानों का प्रदर्शन इंदौर-भोपाल हाईवे पांच घंटे रहा जाम

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः मूंग की सरकारी खरीदी को लेकर सोमवार को किसान स्वराज संगठन के नेतृत्व में किसानों ने 'घेरा डालो-डेरा डालो' आंदोलन करते हुए इंदौर-भोपाल मुख्य मार्ग पर करीब पांच घंटे तक चक्काजाम किया। हजारों किसान सैकड़ों ट्रैक्टरों के साथ दुर्गा चौक पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी तथा प्रति एकड़ छह क्विंटल खरीदी का प्रावधान लागू करने की मांग उठाई।

सुबह करीब 10 बजे से कृषि उपज मंडी परिसर में किसानों का जुटना शुरू हो गया। भैरूंदा और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ मंडी पहुंचे। इसके बाद किसान स्वराज संगठन के नेतृत्व में विशाल रैली निकाली गई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई दुर्गा चौक पहुंची। दोपहर करीब दो बजे किसानों ने इंदौर-भोपाल हाईवे पर धरना देकर यातायात रोक दिया। आंदोलन के दौरान सड़क पर ट्रैक्टरों की लंबी कतारें लग गईं और दोनों ओर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया।

विरोध प्रदर्शन को प्रतीकात्मक स्वरूप देते हुए किसानों ने सड़क पर कंडों की आग जलाकर बाटी सेंकी, अचार के साथ भोजन किया तथा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। किसानों का कहना था कि यदि सरकार उनकी पूरी मूंग समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदेगी तो उन्हें अपनी उपज कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिससे आर्थिक संकट और गहरा जाएगा।

आंदोलन की सबसे प्रमुख मांग यह रही कि जिला कलेक्टर स्वयं मौके पर पहुंचकर किसानों का ज्ञापन लें। किसान पूरे दिन इस मांग पर अड़े रहे और प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बावजूद आंदोलन समाप्त करने को तैयार नहीं हुए। किसान स्वराज संगठन के पदाधिकारी गजेंद्र जाट ने आरोप लगाया कि खरीदी की सीमा तय होने से बड़ी संख्या में किसानों की उपज समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदी जा रही है। उन्होंने मांग की कि मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी सुनिश्चित की जाए और प्रति एकड़ छह क्विंटल खरीदी का प्रावधान तत्काल लागू किया जाए।

चक्काजाम के कारण इंदौर-भोपाल हाईवे पर करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन घंटों तक फंसे रहे, जबकि नगर की अंदरूनी सड़कें भी प्रभावित रहीं। पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया, लेकिन देर शाम तक स्थिति सामान्य नहीं हो सकी।

शाम को सीहोर के अपर कलेक्टर बृजेश सक्सेना आंदोलन स्थल पहुंचे। उन्होंने किसान स्वराज संगठन के प्रतिनिधियों और किसानों से चर्चा कर उनकी मांगों को शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और पांच घंटे से अधिक समय तक चला आंदोलन समाप्त कर दिया।

किसानों का कहना है कि यह आंदोलन केवल मूंग खरीदी का मुद्दा नहीं, बल्कि प्रदेश के किसानों की समस्याओं और कृषि नीति को लेकर बढ़ते असंतोष का प्रतीक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो भविष्य में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

शाजापुर बायपास पर प्याज से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, यातायात प्रभावित

नईदुनिया प्रतिनिधि, शाजापुरः जिले के सनकोटा बायपास पर सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे प्याज से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर पर सवार दोनों लोग सुरक्षित बच गए, जबकि सड़क पर प्याज की बोरियां बिखर जाने से कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली घाटी उतर रही थी। इसी दौरान निर्माणाधीन सड़क पर पड़े पत्थर से वाहन का संतुलन बिगड़ गया और ट्रॉली पलट गई। हादसे के बाद ट्रॉली में लदी प्याज की बोरियां सड़क पर फैल गईं, जिससे मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। जानकारी के मुताबिक, ग्राम सामगी कनार्दी निवासी महादेव गोठी और संग्राम गोठी ट्रैक्टर-ट्रॉली में प्याज भरकर शाजापुर मंडी बेचने जा रहे थे। दुर्घटना के समय दोनों ट्रैक्टर पर ही सवार थे। राहत की बात यह रही कि दोनों को कोई गंभीर चोट नहीं आई और हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

पुलिस ने संभाला मोर्चा, जल्द बहाल कराया यातायातः घटना की सूचना मिलते ही लालघाटी डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। आरक्षक जितेंद्र मालवीय और पायलट कमलेश ने तत्काल यातायात को व्यवस्थित कराया तथा दुर्घटनास्थल को सुरक्षित किया। इसके बाद सड़क पर बिखरी प्याज की बोरियों और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवाकर मार्ग को साफ कराया गया। पुलिस की तत्परता से कुछ ही देर में यातायात पूरी तरह सामान्य हो गया।

ट्रक-बोलेरो की भीषण भिड़ंत पांच किसानों की मौत

नईदुनिया प्रतिनिधि, आष्टाः आष्टा और शुजालपुर के बीच ग्राम मेना गोदी के पास सोमवार दोपहर ट्रक और बोलेरो की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार कई लोग वाहन में ही फंस गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार दुर्घटना दोपहर लगभग पौने तीन बजे हुई। टक्कर के प्रभाव से बोलेरो में सवार तीन लोग वाहन से उछलकर लगभग 15 से 20 फुट दूर जा गिरे, जबकि चालक का शव वाहन में ही फंसा रह गया। कई घायलों के सिर, चेहरे और पैरों में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू कर क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। हादसे में भगवान सिंह (55), अमर सिंह (45), बने सिंह (22), देवीराम (60) तथा गुलाबचंद (37) की मृत्यु हो गई। घायल राजाराम और इंदर सिंह का उपचार सीहोर के राणा उदय अस्पताल में चल रहा है, गंभीर रूप से घायल राधेश्याम और हेमराज को बेहतर उपचार के लिए भोपाल भेजा गया है।

पुलिस ने बताया कि सभी लोग राजगढ़ जिले के भैयापुरा गांव के निवासी थे और पेशे से किसान थे। वे बने सिंह को इंजेक्शन लगवाने के लिए देवास जिले के कन्नौद जा रहे थे। सुबह घर से निकले परिवार और ग्रामीणों की यह यात्रा कुछ ही घंटों में दर्दनाक हादसे में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शी मंजूर अली शाह ने बताया कि दुर्घटना के समय बोलेरो में सवार लोग लहूलुहान अवस्था में मदद के लिए तड़प रहे थे। उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर वाहन का दरवाजा और अन्य हिस्से खोलकर घायलों को बाहर निकाला। चालक स्टेयरिंग में बुरी तरह फंसा हुआ था, जबकि एक अन्य घायल सड़क किनारे नाले में पड़ा मिला। आष्टा थाना पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से सभी घायलों को सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें सीहोर जिला अस्पताल भेजा गया।

उद्योगपति के घर लाखों की चोरी, जेवरात और नकदी लेकर फरार हुए चोर

बरेली। नगर की दाल मिल कॉलोनी में रविवार रात अज्ञात चोरों ने एक उद्योगपति के सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार दाल मिल कॉलोनी निवासी उद्योगपति एवं अनाज व्यवसायी, दाल मिल और जीके पैलेस के संचालक राजेंद्र वर्मा के घर रविवार देर रात अज्ञात बदमाश घुस गए। चोरों ने घर में रखी अलमारी और अन्य स्थानों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरी गए सामान की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। सोमवार सुबह परिवार के सदस्यों को घटना की जानकारी होने पर उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। एफएसएल टीम और पुलिस ने साक्ष्य जुटाए तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

अनिल यादव की जयंती पर पत्रकार, समाज-सेवी और पर्यावरण प्रेमियों का सम्मान

नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरण विशेषज्ञ स्व. अनिल यादव की 72वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को प्रेस क्लब गंजबासौदा और अनिल दाऊ सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में मदन भैया क्लब पार्क में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारिता, समाजसेवा, पर्यावरण संरक्षण और जनहित के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक हरिसिंह रघुवंशी, मध्यप्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह जादौन, नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव सहित अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती और नारद मुनि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद स्व. अनिल यादव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने स्व. अनिल यादव के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे जयप्रकाश आंदोलन से प्रेरित रहे और बाद में पत्रकारिता एवं डॉक्यूमेंट्री निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि अनिल यादव ने पर्यावरण संरक्षण और भाजपा संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने कहा कि स्व. अनिल यादव सामाजिक समरसता और जनसेवा के प्रति हमेशा समर्पित रहे। वरिष्ठ पत्रकार गोविंद नायक और कैलाश सक्सेना ने उनके साथ बिताए अनुभव साझा किए। डॉ. राकेश सिंह जादौन ने उन्हें सामाजिक समरसता का प्रेरणास्रोत बताया। कार्यक्रम का संचालन कवि आशीष दुबे ने किया, जबकि आभार प्रेस क्लब अध्यक्ष नीतेश नायक ने व्यक्त किया। समारोह के अंत में मदन भैया पार्क में हरसिंगार का पौधा रोपित किया गया तथा गंजबासौदा, भोपाल, विदिशा सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए पत्रकारों, समाजसेवियों, पर्यावरण प्रेमियों और अन्य विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान किया गया।

वर्षाकाल में पूरी सतर्कता बरतें अधिकारीः कलेक्टर

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर बालागुरू के. ने वर्षाकाल के दौरान संभावित बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में उन्होंने कहा कि वर्षा के मौसम में मैदानी अमला मुख्यालय पर रहकर लगातार फील्ड में सक्रिय रहे तथा किसी भी प्रकार की आपदा की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य तत्काल प्रारंभ किए जाएं। किसी भी स्थिति में लापरवाही या अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि बाढ़ संभावित क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा राहत शिविरों के लिए उपयुक्त भवनों एवं स्थलों का पहले से चयन कर लिया जाए। इन राहत शिविरों में सभी आवश्यक सुविधाओं की अग्रिम व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जा सके। उन्होंने कहा कि बाढ़ अथवा अन्य प्राकृतिक आपदा से जन-धन की क्षति होने की स्थिति में प्रभावित परिवारों को शासन के प्रावधानों के अनुसार शीघ्र राहत राशि एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराई जाए।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिक्षक एवं अभिभावक बच्चों को नदी, तालाब, झरने तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से रोकें। उन्होंने यह भी कहा कि जर्जर अथवा असुरक्षित आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं स्कूल भवनों में कक्षाओं का संचालन नहीं किया जाए। ऐसे भवनों में संचालित संस्थाओं को आवश्यकता अनुसार सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

बैठक में कलेक्टर ने पशुपालन विभाग को गौशालाओं में वर्षा ऋतु के दौरान गौवंश के लिए चारे, स्वच्छ पेयजल, जल निकासी तथा अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को पेयजल स्रोतों की नियमित जांच कराने तथा जल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समय-समय पर पानी की टेस्टिंग करने के निर्देश दिए, जिससे वर्षाकाल में जल जनित बीमारियों की रोकथाम की जा सके। कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि सभी विभाग वर्षाकाल के दौरान पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करें और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि जनहानि एवं नुकसान को रोका जा सके। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव, संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत, रविंद्र परमार, एसडीएम तन्मय वर्मा, स्वाति मिश्रा सहित संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले के शासकीय स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए अधिकारियों को नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य विभागों के अधिकारी स्कूलों का भ्रमण कर शिक्षण व्यवस्था का जायजा लें।

स्वामी विवेकानंद कॉलेज में 'मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण' विषय पर प्रशिक्षण

नईदुनिया प्रतिनिधि, मंदसौरः स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय दलौदा में सोमवार को महाविद्यालय के स्टाफ के लिए 'मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा, मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार आयोजित यह प्रशिक्षण प्राचार्य डॉ. जे.एल. आर्य के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के स्मार्ट कक्ष में संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण में भोपाल से जुड़े विशेषज्ञ डॉ. तन्मय जोशी, डॉ. उषा के नायर और डॉ. विनय मिश्रा ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव एवं अवसाद की पहचान, भावनात्मक संतुलन तथा सकारात्मक परामर्श जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान, आवश्यक सहयोग एवं रेफरल प्रणाली तथा महाविद्यालय में सहयोगात्मक और मानसिक रूप से स्वस्थ वातावरण विकसित करने के उपाय भी बताए।

कार्यक्रम के दौरान स्टाफ को विद्यार्थियों से प्रभावी संवाद स्थापित करने, परामर्श की आवश्यकता समझने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।